

8-615 पञ्चवली राज राजसूय लोक निराकार | मन्त्र केन्द्र ✓  
केन्द्र गण्डव देवली पर प्रसूत दुर्गा गार्गी  
जघैर भद्रक व अर्धपद्मी: कर्कशात उपर)  
वाग वृद्धी डिग्गी सिपा जम्बुका वी इत जम्बुका  
से चलने का कोई मोहिल रही वी इत इत-उत्पन्न  
'इकारिज' सिपा जम्बुका वी पञ्चवली जम्बुका  
देका चर दे का दे वया गुण वी वी वी

ॐ